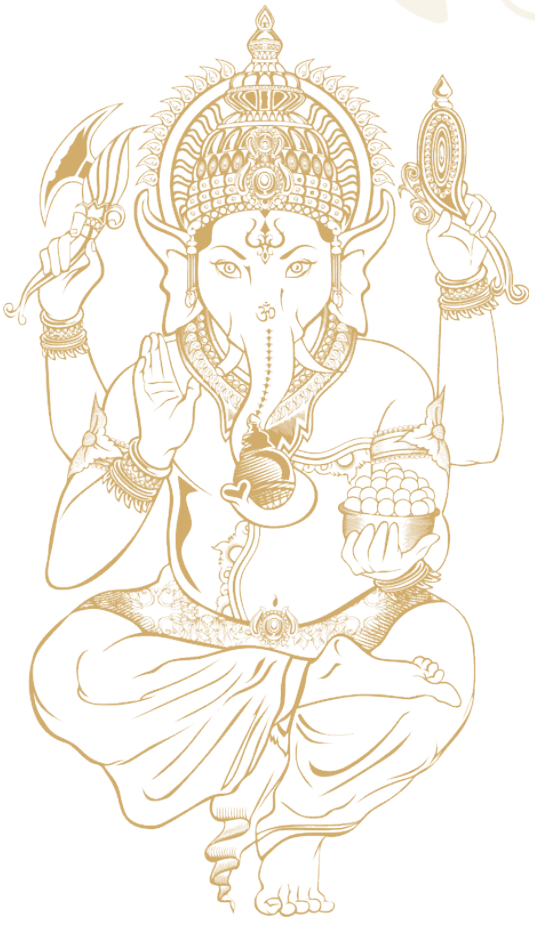

Mr. Yash Mann

Km.Urvashi

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121730003

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
31/03/1989	जन्म तिथि	12/12/1991
शुक्रवार	दिन	गुरुवार
घंटे 09:20:00	जन्म समय	11:30:00 घंटे
घटी 08:10:52	जन्म समय(घटी)	11:25:57 घटी
India	देश	India
Kichcha	स्थान	Bikaner
28:54:00 उत्तर	अक्षांश	28:01:00 उत्तर
79:30:00 पूर्व	रेखांश	73:22:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:12:00	स्थानिक संस्कार	-00:36:32 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:03:39	सूर्योदय	07:18:12
18:29:17	सूर्यास्त	17:41:50
23:42:32	चित्रपक्षीय अयनांश	23:44:57

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
शुक्र 1वर्ष 6मा 24दि		16:17:27	वृष	लग्न	कुंभ	00:26:13	मंगल 2वर्ष 4मा 20दि	
राहु		16:42:08	मीन	सूर्य	वृश्चि	25:57:15	गुरु	
24/10/2013		25:37:21	धनु	चंद्र	कुंभ	02:06:56	02/05/2012	
24/10/2031		18:23:30	वृष	मंगल	वृश्चि	15:39:42	02/05/2028	
राहु	06/07/2016	12:09:55	मीन	बुध व	वृश्चि	17:36:29	गुरु	20/06/2014
गुरु	29/11/2018	09:35:55	वृष	गुरु	सिंह	20:19:38	शनि	01/01/2017
शनि	05/10/2021	15:28:21	मीन	शुक्र	तुला	13:10:39	बुध	09/04/2019
बुध	24/04/2024	19:47:38	धनु	शनि	मक	10:02:18	केतु	14/03/2020
केतु	12/05/2025	10:35:28	कुंभ	राहु	धनु	16:11:47	शुक्र	13/11/2022
शुक्र	12/05/2028	10:35:28	सिंह	केतु	मिथु	16:11:47	सूर्य	02/09/2023
सूर्य	06/04/2029	11:35:19	धनु	हर्ष	धनु	18:46:48	चन्द्र	01/01/2025
चन्द्र	06/10/2030	18:37:21	धनु	नेप	धनु	21:44:42	मंगल	08/12/2025
मंगल	24/10/2031	20:58:43	तुला व	प्लूटो	तुला	27:40:49	राहु	02/05/2028

लग्न-चलित

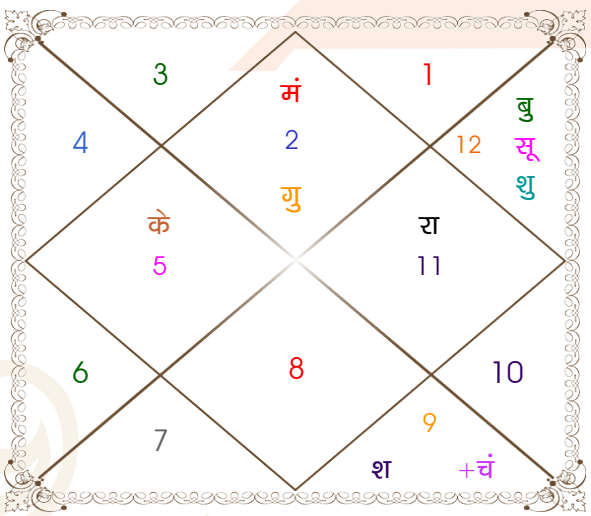

लग्न-चलित

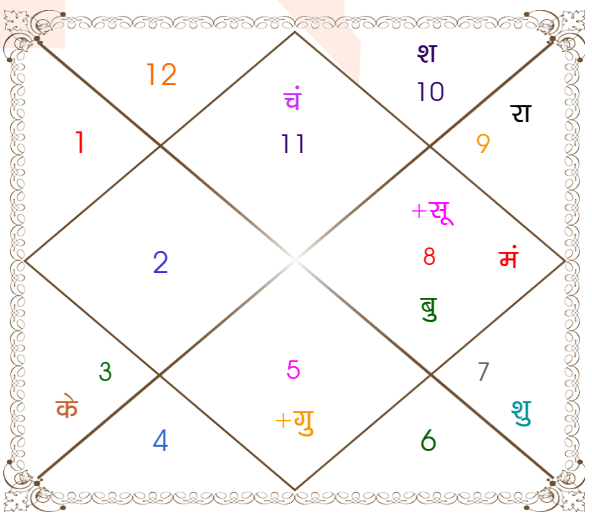

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	क्षत्रिय	शूद्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	मानव	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	वध	क्षेम	3	1.50	--	भाग्य
योनि	वानर	सिंह	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	गुरु	शनि	5	3.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	राक्षस	6	0.00	हाँ	सामाजिकता
भकूट	धनु	कुम्भ	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	मध्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	15.50		

गणदोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों मे मित्रता नहीं है।

डतण् लैं डंदद का वर्ग श्वान है तथा ज्ञउण्न्तओंप का वर्ग मार्जार है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार डतण् लैं डंदद और ज्ञउण्न्तओंप का मिलान ठीक नहीं है।

मंगलीक दोष मिलान

डतण् लैं डंदद मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं गुरु डतण् लैं डंदद कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

ज्ञउण्न्तओंप मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में दशम् भाव में स्थित है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु झउण्न्तऔंप कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

डतण् लैं डंदद तथा झउण्न्तऔंप में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

मिलान ठीक नहीं है क्योंकि अष्टकूट गुण नहीं मिलते हैं।